**गौहाटी मेडिकल कॉलेज अस्पताल के स्थापना दिवस कार्यक्रम में माननीय राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया का अभिभाषण**

| दिनांक 20 सितंबर 2023, बुधवार | समय : 11:00 AM | स्थान : गौहाटी मेडिकल कॉलेज, गुवाहाटी |
|---|---|---|

- असम के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के माननीय मंत्री श्री केशव महंत जी,
- असम सरकार के चिकित्सा शिक्षा एवं शोध विभाग के आयुक्त एवं सचिव डॉ. सिद्धार्थ सिंह जी
- जीएमसीएच के प्राचार्य डॉ. ए.सी. बैश्य जी,
- गौहाटी मेडिकल कॉलेज के सम्मानित शिक्षक एवं कर्मचारीगण
- मेरे प्यारे विद्यार्थियों,
- मीडिया से हमारे मित्रों,
- कार्यक्रम में उपस्थित देवियों और सज्जनों,

नमस्कार !

सर्वप्रथम पूर्वोत्तर के सबसे प्रतिष्ठित चिकित्सा संस्थान गौहाटी मेडिकल कॉलेज अस्पताल की 63वीं वर्षगांठ की आप सभी को बहुत-बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं। आज हम यहां इस प्रतिष्ठित चिकित्सा संस्थान का स्थापना दिवस का उत्सव मनाने के लिए एकत्रित हुए हैं। इस असवर पर आप सभी के बीच उपस्थित होकर मुझे काफी प्रसन्नता हो रही है।

मित्रों,

किसी भी संस्थान के लिए वर्षगांठ पुरानी यादों को स्मरण करने और उसे फिर से संजोने का अवसर होता है। गौहाटी मेडिकल कॉलेज अस्पताल का 63 वर्षों का गौरवशाली और उपलब्धियों भरा इतिहास रहा है। यह चिकित्सा संस्थान 60 वर्षों से भी अधिक समय से चिकित्सा क्षेत्र में अपनी सेवाएं प्रदान कर रहा है।

मुझे बताया गया है कि 20 सितंबर 1960 को जालुकबाड़ी स्थित आयुर्वेदिक कॉलेज के अस्थाई कैंप में गौहाटी मेडिकल कॉलेज की स्थापना की गई थी। 1968 में भंगागढ़ में इस अस्पताल को स्थानांतरित किया गया। असम के तत्कालीन के राज्यपाल स्व. ब्रज कुमार नेहरू जी ने यहां इस अस्पताल का उद्घाटन किया था। अब जीएमसीएच 600 आईसीयू बेड और 3214 बिस्तरों की क्षमता वाला अस्पताल बन गया है।

इसके अलावा विकास के क्रम में जीएमसीएच ने मौजूदा सुविधाओं के साथ-साथ 200 बिस्तरों वाला स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट, 300 बिस्तरों वाला सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, 300 बिस्तरों वाला कार्डियोथोरासिक एंड न्यूरोसाइंस सेंटर तथा धीरेनपाड़ा और पांडू में एक-एक एफआरयू अस्पताल भी जोड़ा है।

मित्रों,

जीएमसीएच राज्य में चिकित्सा विज्ञान की गौरवशाली यात्रा का गवाह रहा है। अपने 60 से अधिक वर्षों के दौरान, इस विशाल संस्थान ने बड़ी संख्या में डॉक्टर, विशेषज्ञ, सुपर स्पेशलिस्ट, नर्स और पैरामेडिकल स्टाफ तैयार किया है। इस संस्थान में अध्ययन के दौरान बनी मजबूत शैक्षणिक और व्यावहारिक नींव ने उन्हें सक्षम बनाया है। वे न केवल देश में, बल्कि विदेशों के विभिन्न हिस्सों में भी स्वास्थ्य सेवाओं के स्तंभ बने। जीएमसीएच ने अब तक डॉक्टरों के 58 बैच तैयार किए हैं, जो देश-दुनिया के अलग-अलग जगहों में चिकित्सीय सेवा की विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं।

वर्ष 1966 में जीएमसीएच में प्रवेश की यात्रा 100 एमबीबीएस छात्रों के साथ शुरू हुई थी। अब इसने एमबीबीएस प्रवेश क्षमता को सालाना 200 छात्रों तक बढ़ा दिया है। संस्थान में शिक्षण, अनुसंधान और मरीजों की देखभाल के लिए व्यापक सुविधाएं मौजूद हैं। जीएमसीएच स्नातक और स्नातकोत्तर दोनों स्तरों पर मेडिकल और पैरा-मेडिकल पाठ्यक्रमों में शिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता है। 35 विषयों में शिक्षण और अनुसंधान किया जाता है।

चिकित्सा अनुसंधान के क्षेत्र में गौहाटी मेडिकल कॉलेज असम में अग्रणी है, जिसके संकाय और शोधकर्ताओं द्वारा एक वर्ष में बड़ी संख्या में शोध प्रकाशन होते हैं। जीएमसीएच नर्सिंग कॉलेज से भी जुड़ा हुआ है और बी.एससी और एम.एससी डिग्री में छात्रों को प्रशिक्षित किया जाता है।

मित्रों,

कोरोना महामारी के दौरान राज्य के तत्कालीन स्वास्थ्य मंत्री तथा वर्तमान में मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व में जीएमसीएच और इसके चिकित्सकों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। अस्पताल के चिकित्सकों और अन्य कर्मियों ने खतरों के बावजूद प्रथम पंक्ति में खड़े होकर राज्य के कोरोना से संक्रमित मरीजों की सेवा की थी। जीएमसीएच और अन्य सरकारी अस्पतालों के चिकित्सकों के इस योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता।

इसमें कोई संदेह नहीं कि केंद्र सरकार के सहयोग से तथा मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा और स्वास्थ्य मंत्री श्री केशव मंहत के नेतृत्व में राज्य में स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सेवा क्षेत्र में सराहनीय विकास हुआ है। स्वास्थ्य एवं चिकित्सा संबंधी सरकारी योजनाओं का सफलतापूर्वक क्रियान्वयन किया जा रहा है और राज्यवासी इससे लाभान्वित भी हो रहे हैं।

यह जानकर प्रसन्नता हुई कि जीएमसीएच देश का एकमात्र चिकित्सा संस्थान है, जहां इसके यूरोलॉजी विभाग में लेप्रोस्कोपिक और एंडोस्कोपिक सर्जरी के लिए सभी तरह की आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं। पिछले एक वर्ष में अस्पताल ने यूरोलॉजिकल कैंसर से पीड़ित 172 मरीजों सर्जरी कर नया जीवनदान दिया है। इसके अलावा 10 रीनल ट्रांसप्लांट भी सफलतापूर्वक किए।

जीएमसीएच बोन मैरो ट्रांसप्लांटेशन में भी उल्लेखनीय सफलता हासिल कर रहा है। मुझे बताय गया कि अस्पताल ने 30 अगस्त, 2022 को अपना पहला बोन मैरो ट्रांसप्लांट सफलतापूर्वक किया था। इसके बाद यहां अब तक 17 मरीजों का बोन मैरो ट्रांसप्लांट सफलतापूर्वक किए जा चुका है। इसके अलावा प्रजनन और आईवीएफ के क्षेत्र में भी जीएमसीएच उल्लेखनीय सफलता हासिल कर रहा है।

जीएमसीएच चिकित्सा सेवा और चिकित्सा शिक्षा के लिए महत्वपूर्ण बुनियादी ढ़ाचे और शिक्षण सुविधाओं पर भी पर्याप्त ध्यान दे रहा है। पिछले वर्ष अस्पताल ने राष्ट्रीय आपातकालीन जीवन सहायता के लिए एक स्किल सेंटर, मल्टी डिसिप्लिनेरी रिसर्च यूनिट की स्थापना और टेली आईसीयू हब की शुरुआत की है।

इसके अलावा विद्यार्थियों के लिए छात्रावास, मरीजों के लिए विश्राम सदन, नर्सों के लिए आवास का निर्माण किया है। मुझे यह जानकर खुशी हो रही है कि जीएमसीएच 400 की क्षमता वाला एक गर्ल्स हॉस्टल, स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स और एक पुस्तकालय का भी निर्माण करेगा।

अंत मैं एक बार फिर आप सभी को जीएमसीएच की 63वीं वर्षगांठ की बधाई देता हूं और कामना करता हूं कि यह चिकित्सा सेवा और चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में समर्पण भाव से अपनी भूमिका निभाकर स्वस्थ भारत के निर्माण में अपना महत्वपूर्ण योगदान देता रहे। जीएमसीएच और इसके चिकित्सक एवं शिक्षण बिरादरी तथा विद्यार्थियों को उनके भविष्य के कार्यों के लिए मेरी शुभकामनाएं।

धन्यवाद !

जय हिन्द !